Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MD-304

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2022

M.A. Darshan, Semester : Third

दर्शन : प्रश्न-पत्र : चतुर्थ

सर्वदर्शन संग्रह - 1

Time: 3 Hours

Max. Marks: 70

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क

(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3×15=45)

1. मध्वाचार्य जी के जीवन और कृतित्व पर प्रकाश डालें।
2. महर्षि पाणिनी जी के विषय में ज्ञात तथ्य एवं उनकी रचनाओं के विवरण एवं महत्व पर टिप्पणी करें।
3. प्रत्यभिज्ञा दर्शन का मूल सिद्धान्त लिखकर उसकी विस्तृत व्याख्या करें।
4. पाणिनीय दर्शन के आलोक में शब्द के नित्यत्व को रेखांकित कीजिए।
5. भारतीय दर्शनों के इतिहास में भाष्यों के महत्व को प्रतिपादित करें।

खण्ड-ख

(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (5×5=25)

6. द्वैतवाद से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट करें।
7. भारतीय दर्शन में सूत्र काल के विषय में व्याख्या करें।
8. भारतीय दर्शन में महाकाव्यों के महत्व को रेखांकित करें।
9. प्रत्यभिज्ञा दर्शन के सुप्रसिद्ध आचार्यों का नाम लिखें एवं विचारों पर टिप्पणी करें।
10. पाणिनीय दर्शन से अभ्युदय की प्राप्ति किस प्रकार सम्भव है?
11. स्फोटवाद क्या है? इससे शब्द उत्पत्ति का क्या सम्बन्ध है? स्पष्ट करें।
12. भारतीय दर्शन के इतिहास के प्रमुख शीर्षकों को लिखें।

----------X----------